ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# अहिंसा के दूत

## क्लास -६

विषय –हिन्दी

पाठ -२

PPT-1



Website: www.odmegroup.org
Email: info@odmps.org
Toll Free: 1800 120 2316
Sishu Vihar, Infocity Road, Patia, Bhubaneswar- 751024

# गांधीजी के वारे में

1. मोहनदास करमचंद गाँधी का जन्म 02 ओक्टोबर 1869 में गुजरात के पोरबंदर गाव मे हुआ था।
2. भारत की स्वतंत्रता में गांधीजी का काफी अहम योगदान था।
3. गांधीजी अहिंसा के पुजारी और प्रचारक थे, वे लोगों से आशा करते थे की वे भी अहिसा का रास्ता अपनाये।
4. गांधीजी ने 1930 दांडी यात्रा करके नमक सत्याग्रह किया था।
5. लोग गाँधीजी को प्यार से बापू कहते है।
6. बापू ने लंदन से वकालत की पढ़ाई की और बैरिस्टर (वकील) बने।
7. "अंग्रेजों भारत छोड़ो" ये बापू का नारा था लेकिन बापू हिंसा के खिलाफ थे।
8. अहिंसा का रास्ता अपनाते हुए भी बापू अंग्रेजों के लिए काफी बड़ी मुश्किल बने हुए थे।
9. आजादी में बापू के योगदान के कारण उन्हे राष्ट्रपिता का ओहदा दिया गया।
10. बापू साधारण जीवन जीना पसंद करते थे, वे चरखा चलाकर कर सूत बनाते थे और उसी से बनी धोती पहना करते थे।

# पाठ प्रवेश

- गाँधी की मानना है कि बिना अहिंसा के सत्य की खोज असंभव है, अहिंसा वस ज्योति है, जिसके दवारा मुझे सत्य का साक्षात्कार होता है। अहिंसा यदि साधन है तो सत्य साध्य है। वे दोनों को एक ही सिक्के के दो पहलू मानते है। अहिंसा के लिये आवश्यक है कि प्रत्येक दशा मे सत्य का पालन किया जाये।
- अहिंसा के तत्व --1. सत्य 2. ह्रदय की पवित्रता 3.दृढ़ता4. निर्भीकता
- 5. प्रेम
- गाँधी जी का कहना था की सभी व्यक्तियों और जीवधारियों के साथ प्रेम का व्यवहार किया जाना चाहिए। महात्मा गांधी का विश्वास था कि प्रेम मे वह शक्ति है जिसकी मदद से असभव को भी संभव किया जा सकता हैं।
  गाँधी जी ने कहा है " अहिंसा का अर्थ प्रेम का समुद्र और बैर भाव का त्याग है। अहिंसा मे सफल होने के लिए लगन का आवश्यक है यदि लगन नही होगी तो व्यक्ति मे अहिंसा के लिए उत्कठा और उतावलापन नही होगा। इसलिए हमेशा व्यक्ति को साहस, लगन और धैर्य के साथ अहिंसा के सिध्दान्तो का पालन करना चाहिए। अहिंसा मे दिनता, भीरूता बिल्कुल न हो और डरकर भागना भी नही होना चाहिए। अहिंसा मे दृढ़ता, वीरता, तथा निश्चलता होनी चाहिए।

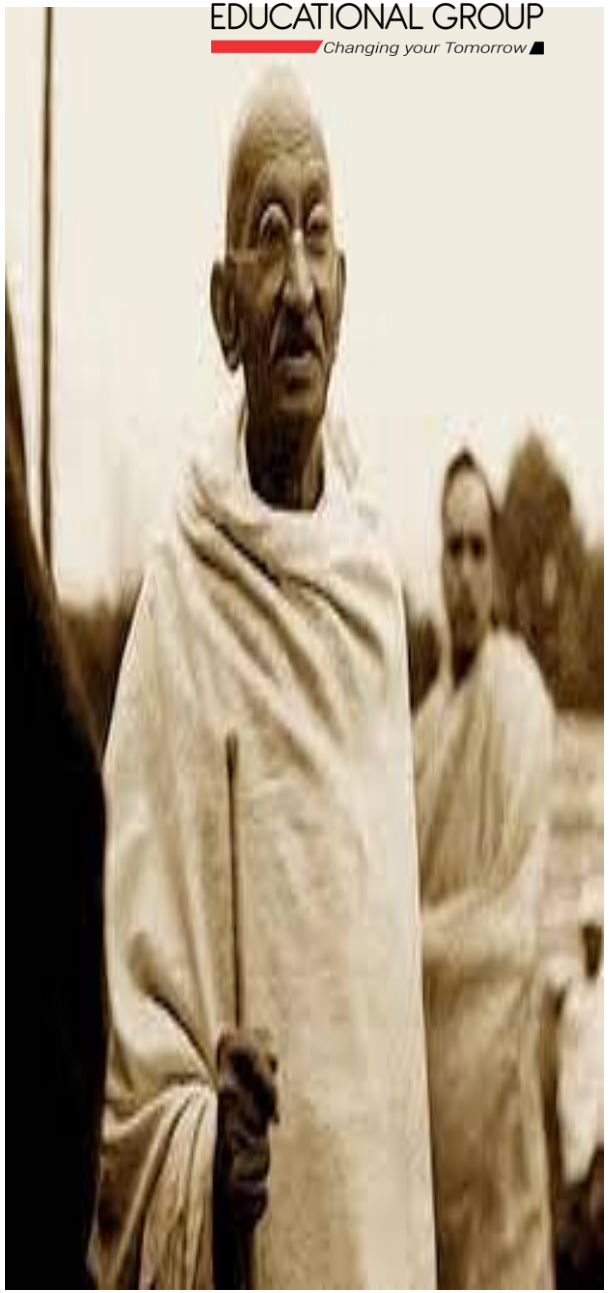

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# संबधित प्रश्न

- क्या आप गांधीजी के वारें में जानते हैं ?
- सच बोलने से आप को क्या मिलता है ?
- यदि कोई झुट बोलता है तो आप को कैसा लगता है ?
- पेड़ के ऊपर चढ़ना किसको अच्छा लगता है और क्यों ?
- सबको हम किस प्रकार देखना चाहिए ?
- नम्रता से आप क्या समझते हैं ?
- यदि आप को कोई मारता है तो आप उसके साथ कैसा व्यवहार करते हो ?
- पापा,मम्मी या शिक्षक  यदि आप को डाँटते हैं तो आप उस समय कैसा महसूस करते हो ?

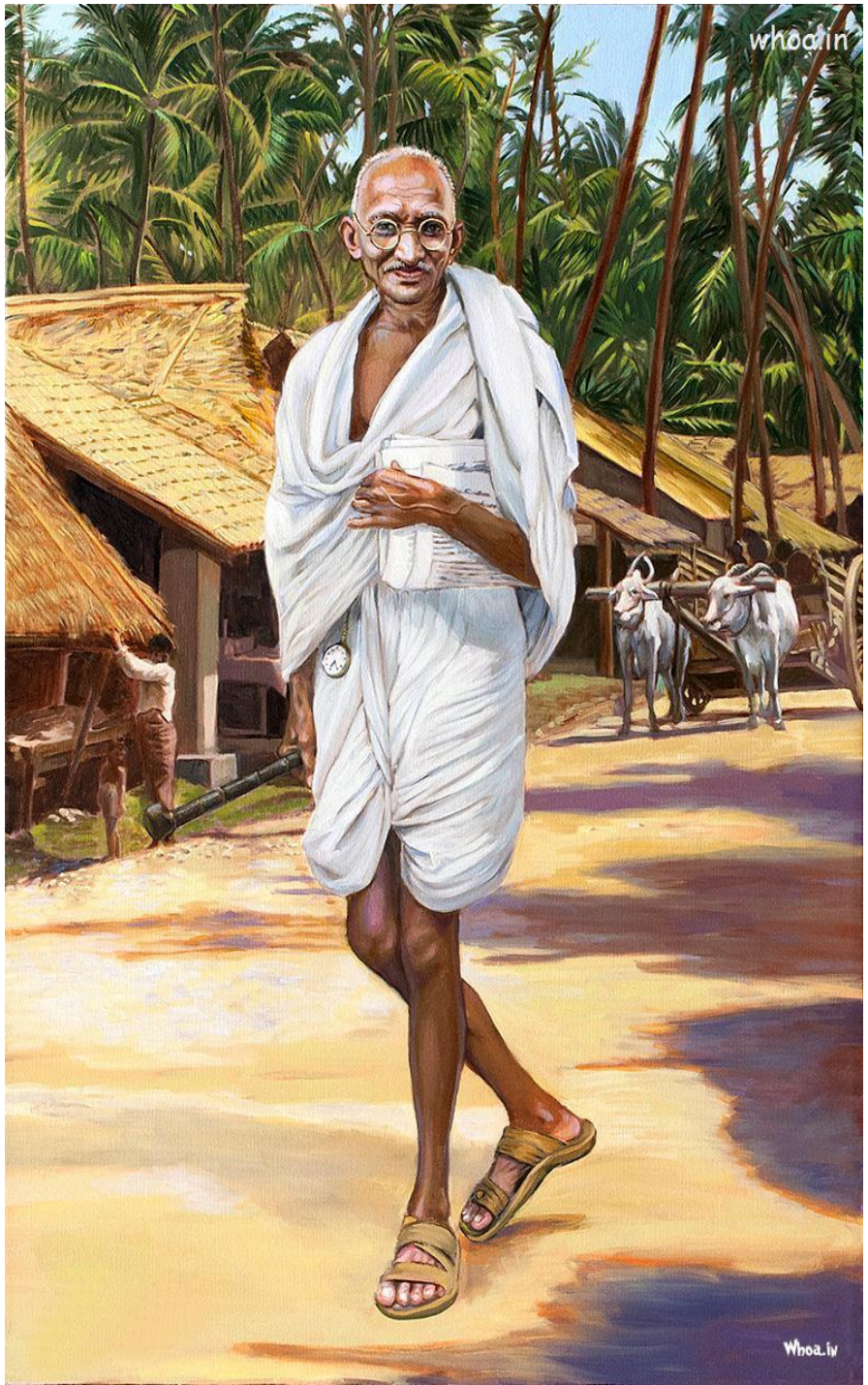

# सारांश

- बचपन में गांधीजी को प्यार से सभी मोहन के स्थान पर मोनिया कहते थे। पेड़ पर चढ़ना उसका शौक था। घर के लोगों को पेड़ से मोनिया के गिरने का डर लगता, किंतु वह निर्भीक था। एक दिन वह अमरूद के पेड़ पर चढ़ गया। वह नीचे उतरता, इसके पहले ही उसकेबड़े भाई वहां आ गए।
- उन्होंने उसे पेड़ पर चढ़े देखा, तो नाराज होकर उसे दो-चार थप्पड़ रसीद कर दिए। मोनिया रोते हुए मां के पास पहुचा और बोला- 'मां! भाई ने मुझे मारा।' मां ने सहज भाव से कह दिया- 'जा, तू भी उसे मार आ।' मां के ऐसा कहते ही वह गंभीर होकर बोला- 'ऐसा तुम कहती हो, मां? मैं अपने बड़े भाई पर हाथ उठाऊं?' मां ने हंसते हुए कहा- 'तो क्या हुआ? भाई-बहनों में तो लड़ाई-झगड़ा होता ही रहता है।' मोनिया तत्काल मां की बात काटते हुए बोला- 'तुम गलत हो मां, जो बड़े को मारने की सीख देती हो। भाई मुझसे बड़े हैं।

# सारांश

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

- वे भले मुझे मार लें, किंतु मैं उन्हें नहीं मारूंगा।' मां यह सुनकर चकित रह गईं। उन्होंने तो बड़े भाई को मारने की बात साधारण रूप में कह दी थी। मोनिया ने फिर कहा- 'मां! जो मारता है, उसे तुम क्यों नहीं रोकतीं? तुम्हें उससे कहना चाहिए कि वह नहीं मारे, न कि मार खाने वाले से कहना चाहिए किवह बड़े भाई को मारे।' अपने पुत्र के पवित्र हृदय पर मां का सीना गर्व से फूल उठा। वे मोनिया को गले लगाकरबोलीं- 'बेटा!
- तूने इतनी अच्छी बातें कहां से सीखीं? मालूम नहीं कि ईश्वर ने तेरे लिए क्या भाग्य रचा है?' आगे चलकर इसी मोनिया ने महात्मा गांधी के रूप में न केवल अपने देश, बल्कि विदेशों से भी अगाध श्रद्धा पाई और आज वे विश्व के महान आदर्श माने जाते हैं। सार यह है कि बड़ों का सम्मान छोटों का कर्तव्य है, किंतु इसकी शिक्षा बड़ों को अपने आचरण के द्वारा छोटों को देनी चाहिए।

# सामान्य उद्देश्य

- पाठ के भाव को समझने केलिए छात्रों को प्रस्तुत कराना ।
- छात्रों को कठिन शब्दों की शुद्ध वर्तनी तथा सही उच्चारण सिखाना।
- छात्रों के शब्द भंडार को समृद्ध करना ।
- छात्रों को नए शब्दों से परिचित करवाना तथा उन्हे पाठ को अपने शब्दों में प्रस्तुतीकरण की कला सिखाना ।
- कर प्रत्यय वाले शब्द को ,कि का प्रयोग को सिखाना ।
- **विशिष्ट उद्देश्य-**
- छात्रों को महान लोगों के जीवन तथा अनेक आदर्शों के बारे में बताना।
- पाठ के मूल उद्देश्य को समझ उसे जीवन में उतारने का सामर्थ्य जगाना।
- उन्हें यह सीख देना कि अहिंसा का रास्ता सबसे अच्छा है।
- **गृहकार्य** –पाठ को पढ़ो और समझो । कष्ट शब्दों को रेखांकित करो

ODM EDUCATIONAL GROUP
Changing your Tomorrow

# THANKING YOU

# ODM EDUCATIONAL GROUP